महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya
(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)
(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

प्राकृतिक भाषा संसाधन कार्यशाला प्रारंभ

मनुष्य की बौद्धिकता और प्रौद्योगिकी में तालमेल आवश्यक - प्रो. कवि नारायण मूर्ति

वर्धा दि. 15 जनवरी 2015: भाषा को जानने, समझने और उसका प्रौद्योगिकी के माध्यम से विस्तार एवं विकास करने हेतु मनुष्य की बौद्धिकता और अधुनातन प्रौद्योगिकी में तालमेल आवश्यक है। भारत सरकार के डिजिटल भारत के स्वप्न को साकार करने हेतु सूचना प्रौद्योगिकी आधारित कार्य-संस्कृति को अधिक से अधिक बढ़ावा देना चाहिए और इसके केंद्र में सभी भारतीय भाषाओं को रखना चाहिए। उक्त बातें हैदराबाद केंद्रीय विश्वविद्यालय के प्रोफेसर तथा सुविख्यात भाषाविज्ञानी प्रो. कवि नारायण मूर्ति ने कही। वे महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के भाषा प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा आयोजित 'प्राकृतिक भाषा संसाधन कार्यशाला' के उदघाटन के अवसर पर बतौर मुख्य प्रशिक्षक बोल रहे थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रतिकुलपति प्रो. चित्तरंजन मिश्र ने की।

यह कार्यशाला 15-19 जनवरी तक आयोजित है। कार्यशाला में 70 से अधिक प्रतिभागी सहभागिता कर रहे हैं।

प्रो. मूर्ति ने कहा कि सूचना प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल करते हुए हमें भाषांओं को बहुसंख्य लोगों तक पहुंचाना चाहिए। इस चुनौती को अमली जामा पहनाने हेतु कंप्यूटर साक्षरता एक अनिवार्य शर्त है। उन्होंने कहा कि भारत में करीब 1600 भाषाएं अस्तित्व में है, हमारा भविष्य बोली आधारित होगा और इन भाषाओं के अस्तित्व को बचाए रखने के लिए हमें प्रौद्योगिकी का प्रयोग करना आवश्यक है।

अध्यक्षीय वक्तव्य में प्रो. चित्तरंजन मिश्र ने कहा अन्य भाषाओं के साथ हिंदी का भविष्य भी प्रौद्योगिकी के साथ जुडा हुआ है। आज हमें बटन पर आधारित नई साक्षरता की जरूरत है। इससे भारत सरकार के डिजिटर भारत, ई-गवर्नंस आदि महत्वाकांक्षी योजनाओं को साकार करने में महत्वपूर्ण मदद मिलेगी। विश्वविद्यालय सूचना प्रौद्योगिकी को बढ़ावा देने में तत्पर है। कार्यक्रम का स्वागत वक्तव्य भाषा विद्यापीठ के अधिष्ठाता प्रो. हनुमान प्रसाद शुक्ल ने दिया।

उन्होंने कहा कि हिंदी के साथ-साथ अन्य भारतीय भाषाओं को प्रौद्योगिकी से जोडने का काम

भाषा प्रौद्योगिकी विभाग कर रहा है और इन भाषाओं के लिए भी निरंतर रूप से कार्यशालाएं आयोजित करने की विभाग योजना है।

उदघाटन सत्र में हैदराबाद केंद्रीय विश्वविद्यालय के शोधार्थी राम अनिरूद्ध, शिवेंद्र बाबू, विभाग के अध्यापक, डॉ. अनिल कुमार पाण्डेय, जगदीप दाँगी, डॉ. एच. ए. हुनगुंद, डॉ. अनिल कुमार दुबे, संयोजक डॉ. धनजी प्रसाद आदि के साथ प्रतिभागी एवं शोधार्थी उपस्थित थे। सत्र का संचालन आराधना सक्सेना ने किया।